यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2019

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 6

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा कीजिए- 20

1. खेयण्णए .....
..... च पेहि।।

2. ..... वंर झियाइं।
..... सुक्कं।।

3. दाणाण .....।
तवेसु .....।।

4. माणुसत्तम्मि ..... सद्दहे।
..... रयं।।

5. एवमावट्टजोणीसु .....।

ण णिबिज्जंति .....।।

6. अणुत्तरं .....।

इंदेव ..... विसिट्ठे।।

7. कोहं च .....।

..... ण काखेइ।।

8. कम्म-संगेहिं .....।

अमाणुसासु .....।।

9. बाह्मी चन्दनवालिका .....।

..... सुभदा शिवा।।

10. एक-एक विषय .....।

..... फल पाता हैं।।

प्रश्न 2. नीचे लिखी गाथाओं के भावार्थ लीखिए-(कोई तीन) **6**

1. पुच्छिंस्सु णं समणा माहणा य, अगारिणो या परतित्थया य।

से के इणेगंहियं धम्म-माहु, अणेलिसं साहु समिक्खयाए।।

भावार्थ- .....

.....

.....

2. से भूइपण्णे अणिए आचारी, ओहंतरे धीरे अणंत चक्खू।

अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा, वइं रोयणिंदे व तमं पगासे।।

भावार्थ- .....

.....

.....

3. महीए मज्झम्मि ठिए णगिुंदे, पण्णायते सूरिए सुद्ध लेसे।

एवं सिरीए उ स भूरि वण्णे, मणोरमे जोयइ अच्चिमाली।।

भावार्थ– .....

.....

.....

4. से वारिया इत्थी सराइ भत्तं, उवहाणवं दुक्ख खयट्ठयाए।

लोगं विदित्ता आरं पारं च, सव्वं पभू वारिय सव्व वारं।।

भावार्थ– .....

.....

.....

प्रश्न 3. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– **15**

1. असन्नी मनुष्य काल करके नैरयिक में क्यों नहीं जाता हैं।

.....

2. नियमा नरक गति में जाने वाले कौन–कौन हैं।

.....

3. गति किसे कहते हैं।

.....

4. 30 अकर्मभूमि मनुष्य के नाम लिखिए।

.....

5. हमारी गति आगति दोनो समान हैं।

.....

6. भुजपरिसर्प की गति कितनी होती हैं लिखो।

.....

7. स्त्रीवेद की आगति कितनी होती हैं लिखो।

.....

8. भाव मुण्डन किसे कहते है तथा ये कितने होते हैं।

.....

9. मनुष्य बलवान किन शुभ कर्मो से होता है?

.....

10. मनुष्य जन्म किस करणी से मिलता है?

.....

11. भरत चक्रवर्ती को केवल ज्ञान होने के पश्चात् उन्होनें क्या किया?

.....

12. धर्म रूचि अणगार को अपना पेट निरद्य स्थान क्यों लगा?

.....

13. समुद्रपाल को जब वैराग्य आया, तब वह किसके साथ, कहाँ बैठे, क्या कर रहे थे?

.....

14. अनाथी मुनि ने क्या संकल्प किया जिससे उनकी वेदना शांत हो गई।

.....

15. हरिकेशी मुनि चांडाल कुल में क्यों उत्पन्न हुए तथा उनका ये नाम क्यों रखा?

.....

प्रश्न 4. सही तथा गलत बताइये तथा जहां गलती है उसके नीचे अण्डरलाईन करके सही लिखिए। 15

1. जंगल में दावाग्नि लगा देने से मनुष्य बहरा होता हैं।

.....

2. मक्षिकाओं को जलाकर छत्ता गिरा देने से मनुष्य अंधा होता हैं।

.....

3. शिवराजर्णि को विभंग ज्ञान से असंख्यात द्धीप और समुंद्र दिखे।

.....

4. यह संवर ही इस भव मे महातृष्णा रूपी सागर मे गोते खिलाता हैं।

.....

5. जहाँ अनेक हैं वहाँ गड़बड़ होती है, अशांति होती है, एकत्व में शांति हैं।

.....

6. तुम तरण-तारण सुख निवारण, भविक जीव आराधनम्।

.....

7. द्रौपदी का चीर बढ़ाया, दु:शासन मद गाला, मैनासुंदरी श्रीमति का, जीवन बना विशाला।

.....

8. जो केत-की दुरभिगंध मे, मुग्ध सर्प हो जाता हैं।

.....

9. मैं मोह को नष्ट करने के लिए निर्ग्रंध धर्म का आचरण करूँगा।

.....

10. मुनि जीवन में ध्यान की उत्कृष्ट साधना करने वाला शीघ्र ही मुक्त हो जाता हैं।

.....

11. शिक्षार्थी झूठ बात को स्वीकार करने में सदा तत्पर रहे।

.....

12. सम्यग्दृष्टि की आगति मे 7 नैरयिक के पर्याप्ता हैं।

.....

13. वनस्पति से निकला हुआ जीव केवली बन सकता हैं।

.....

14. तपों मे नव वाड़सहित ब्रह्मचर्य का पालन करना श्रेष्ठ तप हैं।

.....

15. खित्तं वत्थुं हिरण्णं च पसवो आसपोरूसं।

.....

प्रश्न 5. अंको में उत्तर दीजिए– **12**

1. चतुरंगीय नामक अध्ययन मे कितनी गाथा हैं?
2. सनत्कुमार मुनि को साधु बनने के बाद कितने वर्षों तक रोग शरीर में बना रहा?
3. मल्लीकुमारी कितने ज्ञान से युक्त थी?
4. थावच्चापुत्र के साथ कितने व्यक्ति प्रव्रज्या लेने को तत्पर हुए?
5. मेघकुमार का विवाह कितनी सुंदर कन्याओं के साथ हुआ।
6. अरिष्टनेमि भगवान् को प्रव्रजित होने के कितने दिन बाद केवलज्ञान केवलदर्शन प्राप्त हुआ?
7. नो गर्भज में देवता के भेद कितने हैं?
8. छठी पृथ्वी के नैरयिक मे तिर्यंच के भेद कितने है?
9. किल्विषीक देवों के भेद कितने होते हैं?
10. ज्योतिषी देवों की गति में मनुष्य के भेद कितने होते हैं?
11. वनस्पतिकाय के भेद कितने हैं?
12. सम्मूर्च्छिम मनुष्य के उत्पत्ति के स्थान कितने होते हैं?

प्रश्न 6. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा कीजिये– **8**

1. सकल सार .....

.....

..... मिटे तत्काला।।

2. जो वीणा के .....

.....

..... उधेड़ा जाता हैं।।

3. खिंच जाता .....

.....

..... देवाणुप्पिया।।

4. अर्हन्तो .....

.....

आचार्या .....।।

प्रश्न 7. खाली स्थान भरीये- **11**

1. सुख दिया ..... होते है, ... दियां ..... होय।

2. मैने भी ..... रूपी बंधन मे पड़कर अनंत दुख भोगे।

3. भगवती राजमति, भगवान अरिष्टनेमि से ..... दिन पूर्व मुक्ति प्राप्त कर परम सुख मे लीन हुई।

4. प्राण, ... जीव ..... की अनुकम्पा करके तुमने संसार परित्त किया।

5. 1,2,3,4 पृथ्वी के नैरयिक से आया जीव ..... बन सकता हैं।

6. देवता ..... वनस्पति में ही आते है, साधारण वनस्पति में नहीं आते।

7. महोरग ..... का भेद हैं।

8. ..... मे वायुकाय के जीव की रक्षा करना मुश्किल हैं।

9. किसी के ..... तथा दोषों को प्रकट न करें।

10. तीर्थंकर की गति ..... है।

11. छिपकली ..... पृथ्वी के नैरयिक तक ही जाती हैं।

प्रश्न 8. नीचे लिखे शब्दों के मिनींग लिखो। (कोई 10) **10**

1. सम्मिक्ख

.....

2. अणाउ

.....

3. दिविणं

.....

4. अच्चिमाली

.....

5. उवहावणं

.....

6. सम्मूढ़ा

.....

7. पहाणाए

.....

8. आपायंके

.....

9. बोहि

.....

10. महासुक्का

.....

11. जसंसिणो

.....

12 अक्खय

.....